केशव टाइम्स
आपकी आवाज

मंगलवार
27 सितम्बर 2022
डिजिटल संस्करण

प्रमुख खबरें : पटना ■ भोजपुर ■ बक्सर ■ रोहतास ■ पूर्वांचल ■ विविध ■ खेल ■ आर्थिक

द्वितीय ब्रह्मचारिणी

या देवी सर्वभूतेषु माँ ब्रह्मचारिणी रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

जदयू का सतर्कता एवं जागरूकता मार्च आज, तैयारी पूरी

डुमरांव। भाजपा से अलग होने के बाद जनता दल यूनाइटेड अब बीजेपी के प्रति हमलावार रूख अख्तियार करने लगा है। इसी कड़ी में भाजपा पर विकास को अवरूद्ध करने तथा सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने की साजिश का आरोप लगाया है। इतना ही नहीं जदयू मंगलवार को भाजपा के सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश का पदार्फाश करने के लिए सतर्कता और जागरूकता रैली निकालेगी। यह रैली राजगढ़ से शुरू हो प्रखंड कार्यालय तक पहुंचेगी। रैली में शामिल जदयू नेता और कार्यकर्ता भाजपा के साजिशों से सतर्क रहने की अपील आम जनमानस से करेंगे। जदयू के नगर अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता, प्रखंड अध्यक्ष अजय चंद लोदी, अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष सोहराब कुरैशी आदि ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है।

सुरक्षा की मांग पर अड़े जूनियर डॉक्टर
पीएमसीएच में पांच दिनों से इलाज ठप

हड़ताल के जरिए नए स्वास्थ्य मंत्री को खुली चुनौती दे रहे जूनियर डॉक्टर

- मरीज के परिजनों से हुई मारपीट के बाद से हड़ताल पर हैं डॉक्टर
- हर दिन हजारों मरीज बिना इलाज कराए लौट रहे अस्पताल से
- विभिन्न जिलों से इलाज के लिए पीएमसीएच आनेवाले मरीजों को हो रही परेशानी

केटी न्यूज / पटना

राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल पीएमसीएच के जूनियर डॉक्टर एक बार फिर से हड़ताल पर हैं। पिछले पांच दिनों की उनकी यह हड़ताल चल रही है। इस बीच हर दिन हजारों मरीज बिना इलाज कराए एक अस्पताल से दूसरी अस्पताल भाग रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी तो उन मरीजों को हो रही है जो दूर-दराज के गांव से इलाज कराने पीएमसीएच पहुंच रहे हैं। सुरक्षा की मांग को लेकर हड़ताल कर रहे जूनियर डॉक्टर इस बार प्रबंधन से आर-पार की लड़ाई का मन बनाए हुए हैं। जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल से न केवल पीएमसीएच की चिकित्सा व्यवस्था चरमरा गई है, बल्कि डॉक्टरों ने इस हड़ताल के जरिए नए स्वास्थ्यमंत्री तेजस्वी यादव को भी खुली चुनौती दी है। एक ओर तेजस्वी यादव राज्य के सरकारी अस्पतालों का औचक निरीक्षण कर वहां की कमियों को दुरुस्त करने का निर्देश दे रहे हैं। इलाज में कोताही बरतनेवाले डॉक्टरों को चेतावनी दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर राज्य के सबसे बड़े अस्पताल में पिछले पांच दिनों से मरीजों का इलाज पूरी तरह ठप है। सुरक्षा की मांग को लेकर भले ही डॉक्टरों ने काम बंद कर दिया है, लेकिन इसका खामियाजा राज्य के विभिन्न जिलों से आनेवाले गरीब मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। हड़ताल के कारण पांच हजार से अधिक मरीजों को बिना इलाज कराए वापस लौटना पड़ा, वहीं 60 से अधिक ऑपरेशन टाल दिए गए हैं।

यहां समझें, क्या है हड़ताल की मुख्य वजह

दरअसल बुधवार की रात 70 वर्षीय मरीज को पीएमसीएच के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया था। भर्ती होने के कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिजन मौत के लिए डॉक्टर को जिम्मेदार ठहराने लगे। उनका आरोप था कि डॉक्टरों की लापरवाही के कारण उनके परिजन की मौत हो गई। उनके कहने के बाद भी समय से इलाज शुरू नहीं किया गया। विवाद की यही वजह रही। बात इतनी बढ़ी कि एक डॉक्टर और मरीज के परिजन के बीच हाथापाई हो गई। कुछ देर में दूसरे डॉक्टर जुटते हैं। फिर युवक को दौड़ा-दौड़ाकर मारते हैं। वहीं, जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन ने आरोप लगाया है कि मरीज की मौत के बाद परिजनों ने ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर के साथ गाली-गलौज और मारपीट की। बाहर से असामाजिक तत्वों को बुलाकर गोली मारने की धमकी दी। घटना के अगले दिन गुरुवार को 50-100 लोगों ने अस्पताल के जीवक हॉस्पिटल पर हमला कर दिया। फिर पथराव कर दिया।

वीडियो से सच आया सामने

उस विवाद का वीडियो सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि जूनियर डॉक्टर बेरहमी से उस परिवार के सदस्यों को पीट रहे हैं, जिनके परिजन की मौत हुई थी। वीडियो में दिख रहा है कि अस्पताल के टाटा वार्ड में जूनियर डॉक्टर मरीज के परिजनों को बुरी तरह पीट रहे हैं। परिजन डॉक्टर को रोकने की भी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे किन्हीं की नहीं सुन रहे हैं। सुरक्षाकर्मी भी मामले को शांत कराने की कोशिश करते हैं। मगर डॉक्टर किन्हीं की नहीं सुन रहे हैं।

जूनियर डॉक्टर की ये हैं मांगे

- अस्पताल में पुराने गार्ड को बदलकर नए और हथियारबंद गार्ड की तैनाती की जाए
- इमर्जेंसी वार्ड में परिजनों के लिए अलग वार्ड और सख्त व्यवस्था लागू की जाए
- गैरजरूरी वाहनों को कॉलेज के मेन गेट के बाहर ही रोक दिया जाए
- गार्ड कॉलेज का नियमित निरीक्षण करें और बाहरी लोगों को यहां जमा होने से रोका जाए

इमरजेंसी सेवा बुरी तरह प्रभावित

हड़ताल के कारण इमरजेंसी सेवा बुरी तरह प्रभावित है। ओपीडी वार्ड में सीनियर डॉक्टर बैठ तो रहे हैं। लेकिन जूनियर डॉक्टर के नहीं रहने के कारण यहां भी मरीजों का इलाज बुरी तरह प्रभावित है। दूर-दराज के क्षेत्रों से इलाज की उम्मीद से पहुंच रहे मरीज बिना इलाज के ही वापस लौटने को मजबूर हैं।

नक्सल विरोधी अभियान में पुलिस को मिली बड़ी सफलता

औरंगाबाद जिले के जंगल से भारी मात्रा में विस्फोटक, कारतूस बरामद

केटी न्यूज/पटना

बिहार में नक्सल विरोधी अभियान के दौर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने औरंगाबाद ज़िले के मदनपुर थाना के जंगल से भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ, कारतूस समेत अन्य अवैध सामान बरामद किया है। हालांकि इस दौरान सुरक्षा बलों की भनक लगते ही नक्सली मौके से फरार हो गए। पुलिस की इस कार्रवाई ने नक्सलियों के मंसूबे पर पानी फेर दिया है। बड़ी मात्रा में विस्फोटक और हथियार बरामद होना इस बात की ओर इशारा कर रहा है कि नक्सली किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की तैयारी में थे। हालांकि इस बीच पुलिस टीम ने कार्रवाई कर नक्सलियों को न केवल हतोत्साहित किया है बल्कि यह चेतावनी भी दे दी है कि उनके हर नापाक इरादों पर गहरी चोट की जाएगी। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा एवं 205 कोबरा वाहिनी समादेष्टा के संयुक्त निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अभियान मुकेश कुमार एवं 205 कोबरा वाहिनी उप समादेष्टय वाई ए डाखोले तथा सहायक समादेष्टा अजीत बी नायर, रामवीर, सहायक समादेष्टा, 29वी वाहिनी एसएसबी के संयुक्त नेतृत्व में जिला अंतर्गत कार्यरत 205 कोबरा वाहिनी, 29वीं वाहिनी एसएसडी एवं स्थानीय पुलिस प्रशासन के संयुक्त टीम के द्वारा की गई।

1068 राउंड गोलियां, 1000 पीस इलेक्ट्रिक डेटोनेटर मिलीं : पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा ने बताया कि नक्सलियों के विरुद्ध लगातार चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन में 1500 किलोग्राम यूरिया, 1068 राउंड गोलियां, 13 पीस 315 बोल्ट्स, 5 एसएलआर मैगजिन, 23 पीस मैगजीन, 1000 पीस इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 35 किलोग्राम अल्मुनियम पाउडर समेत कई अन्य अवैध सामग्रियां बरामद किया गया है।

भोजपुर में घर से गायब हुए युवा किसान की रॉड से पीटकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

- गीधा ओपी क्षेत्र के सोनघटा रोड में सकड्डी भट्ठा के पास मिला शव

केटी न्यूज/आरा

जिले के गीधा ओपी अंतर्गत सकड्डी-सोनघटा रोड में एक युवक की रॉड से पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी गयी। सोमवार की सुबह युवक का शव सकड्डी भट्ठा के पास खेत से बरामद किया गया। युवक रविवार की सुबह दस बजे से ही घर से गायब था। उसकी छाती सहित अन्य जगहों पर जख्म के निशान भी मिले हैं। मृत युवक गीधा गांव निवासी सहजू ठाकुर का 28 वर्षीय पुत्र आर्यन राज उर्फ मनीष कुमार उर्फ चाइनीज था। वह गांव पर

खेती-गृहस्थी करता था। हालांकि हत्या का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। उसके पिता साथी-दोस्तों पर ही खिला-पिलाकर हत्या करने का आरोप लगा रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस और परिजनपहुंचे। उसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पिता सहजू ठाकुर ने बताया कि मनीष रविवार की सुबह करीब 10 बजे किसी काम से घर से निकला था। देर शाम तक घर नहीं लौटा, तो उसके मोबाइल पर कॉल की गयी। लेकिन उसका मोबाइल स्विच ऑफ बता रहा था। उसके दोस्तों के मोबाइल पर भी फोन किया गया, तो उनका भी मोबाइल स्विच ऑफ बता रहा था। इसके बाद खोजबीन की गयी, लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। इस बीच सोमवार की सुबह सकड्डी गांव के चौकीदार द्वारा उनके घर पर मनीष की हत्या की सूचना दी गयी। इस पर वह घटनास्थल पर पहुंचे और शव की शिनाख्त की। इधर,

पुलिस मामले की छानबीन में जुट गयी है। हत्या में शामिल लोगों वालों की पहचान की जा रही है। इसके लिए युवक के मोबाइल की सीडीआर भी खंगाला जा रहा है।

उनकी किसी से दुश्मनी नहीं, बेटे के बारे में पता नहीं : सहजू ठाकुर ने बताया कि उनकी किसी से दुश्मनी नहीं है। हालांकि, उनको अपने बेटे के बारे में पता नहीं कि किसी से झगड़ा था या नहीं। यह भी मालूम नहीं था कि बेटा किस काम से निकला था। कहा कि यह बहू को पता होगा कि वह किस काम से गया था। वैसे उनको मनीष के दोस्तों पर ही हत्या करने का संदेह है। कहा कि दोस्तों द्वारा खिला-पिला कर हत्या की गयी है। पुलिस अब उनके बेटे के दोस्तों की पहचान और जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि मनीष खुद घर से निकला था या उसे फोन कर बुलाया गया था। पुलिस का मानना है कि मोबाइल की सीडीआर से इसका खुलासा हो सकता है।

इकलौता पुत्र था मनीष : आर्यन राज उर्फ मनीष उर्फ चाइनीज की हत्या से घर में कोहराम मचा है। उसकी मौत से जहां मां की गोद सुनी हो गयी, वहीं पत्नी का सुहाग उजड़ गया। इधर, दो बच्चों से पिता का प्यार भी छीन गया। बताया जाता है कि आर्यन राज उर्फ मनीष माता-पिता का इकलौता पुत्र था। अपनी चार बहनों का लाड़ला भाई भी था। उसके परिवार ने मां मनोरमा देवी, पत्नी पुष्पा देवी, पुत्र रौनक और बेटी श्रेया है। बेटे के वियोग में मां मनोरमा देवी, तो पति की याद पत्नी पुष्पा देवी का रो-रोकर बुरा हाल था।

सामुदायिक सहभागिता से फाइलेरिया व कालाजार का उन्मूलन संभव

- कालाजार और फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ
- बिहार और यूपी के प्रशिक्षुओं ने किया प्रतिभाग

केटी न्यूज/पटना

प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन करते अधिकारीगण।

कालाजार उन्मूलन की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने काफी हद तक सफलता दर्ज किया है। कालाजार उन्मूलन में बेहतर चिकित्सकीय सेवा के साथ सामुदायिक जागरूकता की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस कड़ी में सीफार का प्रयास सराहनीय है। कालाजार पेटेन्ट नेटवर्क के जरिए कालाजार पर सामुदायिक जागरूकता बढ़ाई जा सकती है। जिससे कालाजार रोकथाम के प्रयासों में सहूलियत भी होगी। उक्त बातें सेंटर फॉर एडवोकेसी एन्ड रिसर्च(सीफार) द्वारा फाइलेरिया एवं कालाजार उन्मूलन में संचार सहयोग विषय पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के शुभारंभ के दौरान अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ विनय कुमार शर्मा ने कही। कार्यक्रम का उद्घाटन अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी फाइलेरिया डॉ परमेश्वर प्रसाद, अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी विनय कुमार शर्मा, आरएचओ डॉ रवि शंकर सिंह, डब्ल्यूएचओ के स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ राजेश पांडेय, फाइलेरिया के राज्य सलाहकार, डॉ. अनुज रावत एवं सीफार के तमाम पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

फाईलेरिया रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाना जरूरी: इस दौरान अपर निदेशक सह फाइलेरिया के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. परमेश्वर प्रसाद ने कार्यक्रम में उपस्थित तमाम प्रशिक्षुओं को फाइलेरिया के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि फाइलेरिया मरीजों द्वारा गठित पेशेंट नेटवर्क समूह एक सार्थक पहल है। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया के मरीजों द्वारा लोगों को फाइलेरिया के बारे में जागरूक किया जा रहा है और यह फाइलेरिया उन्मूलन के प्रयासों में एक बहुआयामी पहल साबित होगी। साथ ही उन्होंने दूरस्थ इलाकों में फाइलेरिया को लेकर काम कर रहे सीफार के प्रतिनिधियों को आने वाली समस्याओं की समाधान हेतु उपाय भी बताए।

इस वर्ष 1651 मरीजों में हुआ है एमएमडीपी किट का वितरण : प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए आरएचओ डॉ. रविशंकर सिंह ने कहा कि फाइलेरिया मरीजों के बीच एमएमडीपी किट का वितरण उनके फाइलेरिया प्रबंधन में सहायक साबित हो रहा है. इस वर्ष जनवरी से जुलाई तक राज्य में 1651 मरीजों को एमएमडीपी किट वितरित किया जा चुका है और यह फाइलेरिया मरीजों को अपनी जिंदगी सामान्य तरीके से जीने में सहायक साबित हो रहा है।

कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि जुलाई, 2022 तक राज्य में 106026 मरीज चिन्हित किये गए हैं।वहीं राज्य में हाइड्रोसिल से ग्रसित मरीजों की संख्या जुलाई, 2022 तक 20722 है। इस दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन के डॉ. राजेश पांडेय ने कार्यक्रम में उपस्थित तमाम प्रशिक्षुओं को प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रशिक्षित किया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रशिक्षुओं को फाइलेरिया मरीजों को चिन्हित करने से लेकर उसके लक्षण और ट्रीटमेंट को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस समय राज्य के सभी जिले फाइलेरिया से ग्रसित हैं और प्रदेश की बड़ी आबादी इससे जूझ रही है। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षुओं ने फाइलेरिया से संबंधित कई सवाल किए,जिसका समाधान डॉ. राजेश पांडेय ने दिया। कार्यक्रम में फाइलेरिया के राज्य सलाहकार, डॉ. अनुज रावत एवं सीफार की तरफ से रंजना द्विवेदी, रणविजय कुमार, राजकुमारी दरियाना, रणजीत कुमार, शुभ्रा त्रिवेदी, डॉ सतीश पाण्डेय, अरुनेंदु झा सहित अन्य लोगों ने प्रतिभाग किया।

विदेशी लड़की के साथ की बदसलूकी, प्राथमिकी दर्ज

वाराणसी। पेरिस से काशी घूमने आई एक विदेशी लड़की को दो दिन घुमाने के बाद गाइड जैसे एक शख्स ने तीसरी रात होटल में उसके साथ बदसलूकी कर दी। पुलिस ने इस घटना में शक के आधार पर एक शख्स को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। आरोप है कि इस शख्स ने धोखे से लड़की को बियर में शराब पिलाई। इससे लड़की की तबीयत बिगड़ गई। लड़की सुबह जागी तो वह होटल के कमरे में थी और उसके कपड़े गायब थे। लड़की ने भेलूपुर थाने में अज्ञात शख्स के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। मेडिकल जांच बिना लड़की अपने देश वापस लौट गई है। जाते-जाते लड़की ने पुलिस से कहा कि वह शिकायत इसलिए दर्ज करा रही है, ताकि इस तरह की घटना किसी और के साथ न हो। शिकायत के मुताबिक लड़की काशी के केदार घाट स्थित एक गेस्ट हाउस में रुकी थी।

शहर छोटी खबरें

सहोदर बहनों को सांप ने काटा, पटना रेफर

आरा। जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के घाघा गांव में सोमवार सुबह घर में सो रही दो सगी बहनों को सांप ने डंस लिया। इससे दोनों की हालत काफी बिगड़ गयी। आरा सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार करने के बाद दोनों को पटना रेफर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि कामेश्वर सिंह की 14 वर्षीया पुत्री खुशी और 10 वर्षीया पुत्री ज्योति कुमारी रविवार की रात खाने के बाद कमरे में चौकी पर सोयी थी। सोमवार की सुबह सांप ने दोनों को डंस लिया। इससे दोनों की हालत काफी बिगड़ गई।

खाने के बाद सांस लेने में हुई तकलीफ और चली गयी चौकीदार की जान

आरा। जिले के इमादपुर थाना अंतर्गत विशंभरपुर गांव में रविवार की देर रात तबीयत खराब होने से एक चौकीदार की मौत हो गयी। चौकीदार को सांस लेने में तकलीफ के बाद परिजन उन्हें डॉक्टर के पास ले गए। जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक का नाम विशंभरपुर गांव निवासी स्व. मिश्री सिंह के बेटे शिव परसन सिंह (57 वर्षीय) थे। जो विशंभरापुर गांव के चौकीदार थे और इमादपुर थाना में कार्यरत थे। मृत चौकीदार के भतीजे मनोज कुमार ने बताया कि रविवार की शाम करीब सात बजे वह ड्यूटी से घर लौटे थे। रात में खाने के बाद वह सोने जा रहे थे। तभी तबीयत अचानक खराब हो गयी और उन्हें सांस लेने में तकलीफ होने लगी। उनकी हालत देख उन्हें आनन-फानन में गांव में ही स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस हृदय गति रुकने के कारण मौत होने की बात कह रही है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा। इधर, चौकीदार की मौत से घर में कोहराम मचा है। चौकीदार के परिवार में पत्नी राजमुनि देवी, पुत्र संजय सिंह, रणवीर सिंह, पुत्री शांति देवी, कविता देवी सविता देवी और ममता देवी हैं। एक बेटे रणवीर सिंह की मृत्यु कुछ वर्ष पूर्व हो गई थी। पत्नी राजमुनि देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल था।

महाराज की भक्ति पर प्रसन्न हो नीम के पेड़ के रूप में प्रकट हुई थीं माता भवानी

- 600 साल पहले अनंत महाराज की भक्ति से प्रसन्न होकर अमसारी में अवतरित हुई थीं मां दक्षिणेश्वरी भवानी
- भलनी भवानी धाम में रोज पूजा करने जाते थे पंडित अनंत पाठक

केटी न्यूज/डुमरांव

अमसारी स्थित दक्षिणेश्वरी भवानी मंदिर,

मंदिर में स्थापित मां काली की मूर्ति

नवरात्र में शक्ति की देवी की अराधना हर कोई करता है। वैसे भी डुमरांव में कई ऐसे देवी मंदिर है, जो मनोकामना पूर्ण करने के लिए विख्यात है। लेकिन अनुमंडल मुख्यालय से करीब छह किलोमीटर दूर डुमरांव बिक्रमगंज पथ के किनारे अमसारी गांव के पास स्थित दक्षिणेश्वरी भवानी की मान्यता काफी अनोखी है। मंदिर के पास से गुजरने वाले लोग भी यदि सच्चें मन से कोई प्रार्थना करें तो मां दक्षिणेश्वरी उसे सुन लेती है तथा जरूर पूरा करती है ऐसा विश्वास इलाके के लोगों को है। इस मंदिर के स्थापना की कहानी भी कम दिलचस्प नहीं है तथा मंदिर व मां काली के साथ उनके अनन्य भक्त अमसारी के अनंत पाठक उर्फ अनंत महाराज की भक्ति भी जुड़ी हुई है। कहा जाता है कि करीब पांच से छह सौ साल पहले अनंत महाराज की भक्ति से प्रसन्न होकर मां भवानी ने इस जगह पर नीम के पेड़ के रूप में अवतार लिया था तब से आज तक इनकी पूजा की जाती है तथा भवानी भक्तों की हर मनोकामना पूरी करती है।

भलनी धाम में हर दिन पूजा करने जाते थे अनंत महाराज: अमसारी के बुजुर्ग व अनंत महाराज के वंशज विश्वामित्र पाठक की मानें तो करीब पांच-छह सौ साल पहले गंगा नदी भोजपुर ताल में ही बहती थी। तब अनंत बाबा राज परिवार के पुरोहित हुआ करते थे तथा अहले सुबह गांव से पैदल गंगा स्नान कर वहा से गंगाजल लेकर रोहतास जिले में स्थित भलनी भवानी धाम जाते थे तथा पूजा अर्चना करने के बाद ही राज परिवार के पौरोहिती का काम करते थे। जब वे वृद्ध हो गए तथा शरीर कमजोर होने लगा तब मां ने उन्हें स्वप्न दिखा अमसारी के पास राजपरिवार द्वारा उन्हें दान में दिए गए 52 बीघे के भूखंड के बीचोबीच एक नीम के पेड़ के रूप में अवतरित होने की जानकारी दी तथा बताई कि अब वही पर उनकी पूजा करें। सुबह में जब अनंत महाराज उक्त जगह पर गये तो वहा नीम का पेड़ उग आया था। शाम होते होते गांव सहित आस पास के क्षेत्रों में यह बात फैल गई थी कि भलनी भवानी मां ने नीम के पेड़ में अवतार लिया था। बस श्रद्धालुओं द्वारा पूजा अर्चना शुरू कर दी गई। कालांतर में नीम का पेड़ आंधी में टूट गया। तब ग्रामीणों के सहयोग से उस नीम के पेड़ के शेष बचे तने को सिमेंट का कवर चढ़ा सुरक्षित कर दिया गया तथा वहा भव्य मंदिर बना मां काली की मूर्ति की स्थापना की गई। आज उस मंदिर में मां काली के साथ सिद्धेश्वरी भवानी तथा सूर्यदेव की मूर्तियां स्थापित हैं। मंदिर के ठीक सामने एक तालाब भी है जो मंदिर की छंटा को कई गुना बढ़ा देता है।

राज परिवार द्वारा दान की गई थी जमीन

अमसारी के शिवजी पाठक, अरैला के घनश्याम पाठक आदि ने बताया कि राज परिवार में पूजा पाठ करने के दौरान एक बार अनंत महाराज ने भूलवश एकम तिथि को दूज बता दिया गया। तब पंडितों ने पत्रा के आधार पर उनकी बात काट दी थी। पंडितों के तर्क सुन तत्कालीन महाराज द्वारा दूज होने का प्रमाण देने की बात अनंत जी से कही गई। कहा जाता है कि तब अनंत जी ने मां काली से प्रतिष्ठा बचाने की याचना की थी। उनकी भक्ति से प्रसन्न हो मां ने देर शाम महाराज को आकाश में अपनी हसली की चमक से थोड़ी देर के लिए चांद का आभास कराया था। इसी से प्रसन्न होकर महाराजा द्वारा अनंत जी को 52 बीघा जमीन दान की गई थी। शिक्षक व शोध छात्र दुर्गेश कुमार सिंह ने भी इस बात की पुष्टि की है तथा बताया कि राज परिवार द्वारा दान किये गये जमीन के ठीक बीच मां दक्षिणेश्वरी का मंदिर है।

शीतल जल के लिए विख्यात था कुंआ : मंदिर परिसर में आज भी एक कुंआ है, जो कभी अपने शीतल व निर्मल जल के लिए विख्यात था। ग्रामीणों का कहना है कि इस कुंए का पानी बहुत ठंढा रहता था। आस-पास के लोग तथा पथिक इस कुंए के पानी से अपनी प्यास बुझाते थे। लेकिन समय के साथ कुंए का रखरखाव नहीं होने से आज यह कुंआ अपना अस्तित्व खोते जा रहा है। लोग इसका जीर्णोद्धार चाहते हैं।

ग्रामीणों में है अटूट आस्था मां भवानी मंदिर के प्रति अमसारी नोनियाडेरा, अरैला, मुंगाव, कोंपवा सहित अन्य गांव के लोगों में अटूट आस्था है। जिसकी मनोकामना पूरी होती है वह या तो मंदिर निर्माण में आर्थिक सहयोग करता है या फिर मंदिर की साफ सफाई में हाथ बंटाता है। यह आस्था का ही प्रमाण है कि वर्तमान मुखिया राजीव सिंह उर्फ पिंटू सिंह ने मुखिया चुने जाने के बाद मंदिर से गांव तक सड़क का निर्माण कराया।

बड़े अपराधिक घटना को अंजाम देने के पहले

कुख्यात शेरू सिंह गिरोह के तीन गुर्गे हथियार के साथ गिरफ्तार

- एसपी ने प्रेस वार्ता कर दी जानकारी
- गिरफ्तार अपराधियों में दो वैशाली जिले के कुख्यात लूटेरे शामिल

केटी न्यूज/बक्सर

गिरफ्तार अपराधियों के साथ प्रेस वार्ता करते एसपी

बक्सर जिले में किसी बड़े अपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में लगे कुख्यात शेरू सिंह गिरोह के तीन गुर्गो को पुलिस ने हथियार व गोली के साथ गिरफ्तार कर लिया है। जबकि उनके दो अन्य साथियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी अभियान चला रही है। गिरफ्तार अपराधियों में वैशाली जिले के दो हिस्ट्री शीटर तथा एक उनका पनाहगार शामिल है। एसपी नीरज कुमार सिंह ने सोमवार को चौसा में प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी। एसपी ने बताया कि बेउर जेल में बंद बक्सर जिले का कुख्यात तथा सजायाफ्ता अपराधी शेरू सिंह ने किसी बड़े अपराधिक घटना को अंजाम देने की फिरार में वैशाली जिले के हाजीपुर बागदुल्हन के अरशद आलम पिता इजहार आलम तथा पंचरूखी थाने के लालगंज निवासी रंजीत कुमार पिता श्याम नारायण ठाकुर को मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कृतपुरा गांव के दीपक राय पिता शिवशंकर राय के घर पर पनाह दिलवाया था। दोनों दीपक के दलान पर रूके थे। इनके पास दो और कुख्यात अपराधी आने वाले थे। जिसके बाद पांचों मिल शेरू के कहने पर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने वाले थे। लेकिन स्थानीय पुलिस को समय रहते इसकी भनक लग गई। इसकी जानकारी मिलते ही मुफस्सिल थानाध्यक्ष अमित कुमार ने तत्काल वरीय पदाधिकारियों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद उनके नेतृत्व में एक टीम गठित कर अरशद आलम, रंजीत कुमार तथा दीपक राय को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से एक पिस्टल, एक देशी कट्टा, दस गोली तथा दो मोबाईल फोन बरामद हुए है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अरशद पर वैशाली व समस्तीपुर जिले के थानों में लूट, आर्म्स ऐक्ट जैसे 14 संगीन मामले दर्ज है। जबकि रंजीत पर भी इन जिलों में आधा दर्जन गंभीर अपराध से जुड़े मामले दर्ज है। वही दीपक राय पर भी बक्सर में शराब तस्करी के दो मामले दर्ज है। एसपी ने बताया कि इनसे पूछताछ के आधार पर दो अन्य अपराधियों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है। गौरतलब है कि शेरू बक्सर जिले का कुख्यात अपराधकर्मी रहा है। उस पर आधा दर्जन हत्या के केस दर्ज है तथा इन मामलों में उसे आजीवन कारावास की सजा मिली है। बावजूद जेल से भी वह अपने गिरोह का संचालन करने में सफल है। उसके गुर्गो की गिरफ्तारी इस बात के सबूत है।

एक नजर

सेस्टोबॉल के खिलाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

खिलाड़ियों के साथ जिला प्रशासन और एसोसिएशन के अधिकारी

अरवल। इनडोर स्टेडियम अरवल में सेस्टोबॉल एसोसिएशन के तत्वाधान में बिहार राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए अरवल जिला के बालक एवं बालिका वर्ग के टीम को रवाना किया गया। अपर समाहर्ता ज्योति कुमार एवं जिला पंचायती राज पदाधिकारी प्रियंका कुमारी ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर के रवाना किया। अपर समाहर्ता ज्योति कुमार एवं जिला पंचायती राज पदाधिकारी प्रियंका कुमारी ने खिलाडियो को संबोधित करते हुए कहा कि यह युवा खिलाड़ी अरवल का नहीं बिहार का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और मैं इन्हें शुभकामना देता हूं कि यह लोग राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं विश्व स्तर पर परचम लहराकर के अरवल का नाम रोशन करें। नेशनल टीम के बालिका वर्ग में बिहार राज्य के तरफ से आदिती प्रकाश, अनन्या कुमारी, योगिता कुमारी, लक्ष्मी प्रिया, सौम्या गुप्ता एवं बालक वर्ग में नीरज कुमार धर्मराज कुमार कृष्ण मोहन दिवाकर बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे। जो आगामी राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाला कार्यक्रम एक से तीन अक्टूबर के बीच में बेंगलुरु कर्नाटक में होने जा रही है। इस अवसर इस अवसर पर राघवेंद्र प्रताप सिंह डिप्टी कलेक्टर अरवल, खेल प्रशिक्षक मेहता सर, युवा समाजसेवी राहुल वत्स, जिला सचिव अविनाश कुमार, सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष सुधीर शर्मा जी बिहार से बाहर रहने के बावजूद अपने खिलाड़ियों को शुभकामना दी। उक्त कार्यक्रम की जानकारी सेस्टोबॉल एसोसिएशन अरवल के जिला सचिव अविनाश कुमार ने दिया।

आयुष्मान कार्ड के माध्यम से हर वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रुपए तक होगा मुफ्त इलाज

जागरूकता रथ को रवाना करते डीएम

जहानाबाद। जिले में आयुष्मान भारत योजना के तहत लोगों को लाभ दिलाने के लिए जागरूक करने की तैयारी है। इसके लिए जिलाधिकारी रिची पाण्डेय ने आयुष्मान जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि आयुष्मान भारत- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजनान्तर्गत अधिक से अधिक आयुष्मान कार्ड निर्माण करने के लिए जिले में 4 आयुष्मान जागरूकता रथ जिले के सभी प्रखंडों व पंचायतों में भ्रमण करेगा। जो लोगों को जागरूक करेगा कि वे अपना आयुष्मान कार्ड बनवा लें। इस योजना के तहत उन्हें प्रति वर्ष प्रति परिवार 5 लाख रूपए तक की मुफ्त इलाज की सुविधा किसी भी सूचीबद्ध सरकारी एवं निजी अस्पताल में प्राप्त होगी। वे सोमवार को समाहरणालय परिसर में रथ को हरी झंडी दिखाकर पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि दिनांक 23 सितंबर को पूरे राज्य भर में आयुष्मान दिवस मनाया गया। साथ ही 15 सितम्बर से 30 सितम्बर तक राज्य में आयुष्मान पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। ताकि लोग जागरूक हो सकें। विदित हो कि जिले में पात्र लाभार्थियों (एसईसीसी-2011) की संख्या 525353 है जबकि अभी तक मात्र 92909 (18%) आयुष्मान कार्ड ही निर्गत हो सका है। जो निर्धारित लक्ष्य से काफी कम है। इसी लक्ष्य को प्राप्ति हेतु यह जन जागरूकता रथ लोगों के बीच में रवाना किया जा रहा है।

आयुष्मान कार्ड का लाभ जीवन पर्यंतक उठा सकेंगे लाभार्थी: सिविल सर्जन, जहानाबाद ने बताया कि इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए सबसे पहले आयुष्मान कार्ड बनवाने की आवश्यकता है। जो किसी भी पंचायत भवन पर कार्यपालक सहायक द्वारा एवं नजदीकी वसुधा केंद्र पर प्रधानमंत्री का लाभार्थी परिवार के नाम पर प्रेषित पत्र एवं आधार कार्ड के साथ अपना अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं। साथ ही, अपनी पात्रता की जांच राशन कार्ड से करा सकते हैं। आयुष्मान भारत योजना के लिए टॉल फ्री नंबर 14555 या 104 पर कॉल कर विशेष जानकारी प्राप्त किया जा सकता है। इस योजना की विशेषता है कि सभी सरकारी अस्पताल के साथ-साथ सूचिबद्ध निजी अस्पताल में भी 5 लाख तक का इलाज प्रतिवर्ष प्रति परिवार मुफ्त में करा सकते हैं।

आरण्य देवी मंदिर के महंत को मिली जान से मारने की धमकी, प्राथमिकी दर्ज

आरा। शहर के प्रसिद्ध मां आरण्य देवी मंदिर के महंत मनोज बाबा को जान से मारने की धमकी दी गयी है। रविवार की रात मोबाइल पर कॉल कर महंत को धमकी दी गयी है। धमकी देने वाला अपना नाम विनीत भगत बता रहा था। इसे लेकर महंत मनोज बाबा की ओर से नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। डीएम और एसपी को भी आवेदन देकर पूरी घटना से अवगत कराया गया है। महंत की ओर से अपनी जान का खतरा बताते हुए आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की गयी है। कहा गया है रविवार रात करीब साढ़े नौ बजे उनके मोबाइल पर लगातार दो बार कॉल आयी। कॉल करने वाले द्वारा अपने को विनीत भगत बताया गया और महंत को धमकी दी गयी। अपशब्द व अभद्र भाषा का भी प्रयोग किया गया। उसके बाद महंत मनोज बाबा रात में ही टाउन थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। कॉल करने वाले की पहचान की जा रही है। इसके लिए धमकी दी जाने में इस्तेमाल मोबाइल की सीडीआर की जांच की जा रही है।

शराबियों के खिलाफ चला अभियान, डुमरांव व सिमरी पुलिस ने आठ शराबी पकड़े

केटी न्यूज/डुमरांव / सिमरी

अनुमंडल की डुमरांव व सिमरी पुलिस ने अलग अलग जगहों से अभियान चला कुल आठ शराबियों को नशे की हालत में पकड़ा है। मेडिकल जांच में उनके शराब पीने की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार डुमरांव पुलिस ने शहर के विभिन्न मोहल्लों से शराब के नशे में नया भोजपुर के प्रिंस उर्फ प्रभात कुमार, आशा पड़री के भैरवनाथ तिवारी, शहीद मर्द के अभिषेक कुमार व रंजीत कुमार, स्टेशन रोड के निरंजन कुमार तथा सोनारपट्टी मोहल्लें के बंटी कुमार को शराब के नशें में उत्पात करते हुए पकड़ा है। सभी का मेडिकल जांच अनुमंडलीय अस्पताल में करवाया गया। मेडिकल जांच में शराब पीने की पुष्टि होने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है। डुमरांव थानाध्यक्ष बिदेश्वर राम ने इसकी पुष्टि की है। वही दूसरी तरफ सिमरी पुलिस ने थाना क्षेत्र के परमानपुर गांव से सुरेन्द्र नट तथा जयराम पासी नामक दो शराबियों को शराब के नशे में जेल भेजा है। थानाध्यक्ष सुनील निर्झर ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस उस गांव में शराब तस्करों के खिलाफ छापेमारी करने गई थी। इसी दौरान दोनों शराब के नशे में झूमते मिले थे। जिसके बाद दोनों को पकड़ मेडिकल टेस्ट करवाया गया। जांच में उनके शरीर में अल्कोहल की पुष्टि होने के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया है।

पुलिस भौचक्क, गड्ढे में बनाया जा रहा था शराब, नहीं हो सकी धंधेबाजों की पहचान

सिमरी। जिले के सिमरी थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना पर सोमवार को थाना क्षेत्र के परमानपुर गांव में छापेमारी कर एक मिनी शराब फैक्ट्री का उद्भेदन किया है। पुलिस ने इस दौरान वहां से बरामद 200 लीटर अर्द्धनिर्मित देशी महुआ शराब को जमीन पर गिरा विनष्ट कर दिया। जबकि भट्ठी को ध्वस्त करने के साथ ही शराब बनाने के कई उपकरणों को भी जब्त किया है। हालांकि, शराब धंधेबाजों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस अज्ञात शराब कारोबारियों पर एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है। मिली जानाकारी के अनुसार सिमरी थानाध्यक्ष सुनील कुमार निर्झर को गुप्त सूचना मिली थी कि शराब कारोबारियों द्वारा परमानपुर गांव के एक गड्ढे में अवैध तरीके से देशी महुआ शराब को निर्माण किया जा रहा है।

अनहोनी : ट्रेन के पहिए से टकरा गिट्टी उछली, क्रासिंग के पास खड़ा मजदूर जख्मी

केटी न्यूज/डुमरांव

दानापुर डीडीयू रेलखंड के टुड़ीगंज स्टेशन के पास सोमवार को हुई एक अजीब दुर्घटना में एक मजदूर गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। आस पास के लोगों के सहयोग से डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में उसका प्राथमिक इलाज करवाया गया। लेकिन उसकी बिगड़ती हालत को देख डा क्टरों ने उसे पटना रेफर कर दिया है। जख्मी शिवयोगी प्रसाद उम्र 52 वर्ष टुड़ीगंज का ही रहने वाला है। जानकारी के अनुसार सोमवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे वह टुड़ीगंज के एक दुगार्पूजा समिति के सदस्यों का सामान लाने बाजार जा रहा था। टुड़ीगंज स्टेशन के करीब स्थित पश्चिमी क्रासिंग के पास खड़ा हो वह क्रासिंग खुलने का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान एक थ्रु टेज्न वहा से गुजरने लगी। अचानक ट्रेन के पहिए से टकरा एक गिट्टी उड़कर शिवयोगी के पैर में जा लगी। जिससे उसके पैर में गहरा जख्म हो गया तथा खून की धारा बहने लगी। आस पास में मौजूद लोगों द्वारा उसे उठाकर तत्काल डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। जहा प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे रेफर कर दिया गया है। रेल यात्री कल्याण समिति के अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह तथा सामाजिक कार्यकर्ता संटू मित्रा ने उसके इलाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा अपने प्रयास से एक निजी एंबुलेंस के सहारे उसे बेहतर इलाज के लिए पटना भेजवाया उसका इलाज करने वाले अनुमंडलीय अस्पताल के डाक्टर सुमित सौरभ ने बताया कि वह खतरे से बाहर है।

भारत स्काउट और गाइड जिला अरवल के प्रथम सोपान प्रशिक्षण शिविर संपन्न

केटी न्यूज/अरवल

छात्रा को प्रशस्ति पत्र देते डीईओ

भारत स्काउट और गाइड जिला शाखा अरवल द्वारा आयोजित प्रथम सोपान प्रशिक्षण शिविर का समापन उत्क्रमित मध्य विद्यालय कटेसर में सर्व धर्म प्रार्थना के साथ किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम जिला शिक्षा पदाधिकारी सह सभापति भारत स्काउट और गाइड अरवल शिवचंद बैठा एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक उपेंद्र कुमार ने संयुक्त रुप से झंडोत्तोलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की शिविर का संचालन कर रहे अरवल जिले के जिला संगठन आयुक्त स्काउट विजय कुमार सिन्हा उर्फ अश्विनी ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान बच्चों को पीटी परेड मार्च पास्ट, स्काउट प्रार्थना, झंडा गीत, नियम प्रतिज्ञा, हिंदी अंग्रेजी वार्ता एवं तरह-तरह के पिरामिड बनाने का गुर सिखाया गया। इस प्रशिक्षण में बच्चों को स्वच्छता अभियान एक प्लास्टिक थमोकॉल का उपयोग न करने पर विशेष बल दिया गया। सड़क किनारे गंदगी एवं शौच को देखते हुए बच्चों जिला शिक्षा पदाधिकारी अरवल शिवचंद बैठा ने शौचालय का उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी और कहा कि बच्चों तुम लोगों को भी जागृत होना है। साथ ही, अगल-बगल के लोगों को भी शौचालय के बारे में विशेष जानकारी देनी है। समापन समारोह के अवसर पर बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम दहेज प्रथा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, नृत्य, देशभक्ति गीत संगीत, नशा मुक्ति अभियान एवं पर्यावरण से संबंधित लघु नाटक प्रस्तुत की। इस अवसर पर मध्य विद्यालय कटेसर के वरीय शिक्षक रामबाबू प्रसाद, राजू चौधरी, संतोष कुमार, जेबी पांडेय, उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम को सफल संचालन में संध्या कुमारी, सिमरन कुमारी व जागृति कुमारी का कार्य सराहनीय रहा। अंत में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बच्चों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया। राष्ट्रगान के साथ सभा की समाप्ति की गई।

शहर छोटी खबरें

कुख्यात गांजा तस्कर को उठा ले गई सीबीआई की टीम

डुमरांव (बक्सर)। सीबीआई दिल्ली की टीम ने वर्षों से फरार चल रहे एक गांजा तस्कर को सिमरी थाना क्षेत्र स्थित बलिहार गांव से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार करने के बाद सीबीआई की टीम उसे अपने साथ लेकर चली गई। गिरफ्तार गांजा तस्कर धनजी सिंह उर्फ धन सिंह पिता ध्रुव नारायण सिंह उर्फ धुपन सिंह बलिहार का ही रहने वाला था तथा वह आसाम में मादक पदार्थो की तस्करी करता था। उस पर आसाम में एनडीपीएस ऐक्ट के तहत कांड संख्या 6/94 तथा जीआर नंबर 413/94 दर्ज था। पुलिस के नजरों में फरार होने के बाद सरकार ने इस मामले को सीबीआई को सौंपा था। सीबीआई को तकनीकी आधार पर उसके बलिहार में होने की जानकारी मिलने के बाद सीबीआई दिल्ली ब्रांच के इंस्पेक्टर योगेश कुमार के नेतृत्व में एक टीम सिमरी पहुंची। जिसमें एसआई रोहित भाटी तथा जगदीश आरक्षी शामिल थे। करीब एक सप्ताह तक रेकी करने के बाद सोमवार को सीबीआई की टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से उसे गिरफ्तार कर लिया। हालांकि इस संबध में सीबीआई द्वारा मीडिया को कुछ जानकारी नहीं दी गई है। स्थानीय पुलिस भी कुछ भी बताने से परहेज करते रही। एसपी नीरज कुमार सिंह ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि एनटीपीएस एक्ट के तहत उस पर आसाम में मामला दर्ज था। जिसमें वह फरार चल रहा था।

किन्नर प्रेमिका के साथ युवक ने ट्रेन से कट कर दी जान

कैमूर। जिले में प्रेम-प्रसंग में जान देने का एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। जिसमें एक युवक ने अपने किन्नर प्रेमी के साथ रेलवे ट्रैक पर जान दे दी। दोनों का शव ट्रैक पर पड़ा मिला है। घटना भभुआ रोड स्टेशन से एक किमी पश्चिम की है। घटना सोमवार दोपहर की है। सूचना पर पहुंची जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। युवक की पहचान उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के रहनेवाले आदित्य पांडेय के तौर पर हुई है। जबकि किन्नर पूनम कुमारी पश्चिमी चंपारण की रहने वाली है। उसके आधार कार्ड पर जेंडर के कॉलम में अन्य लिखा था। जानकारी के अनुसार आदित्य पांडेय बीते कुछ महीनों से भभुआ में किन्नर के साथ रह रहा था। वह एक बैंड पार्टी में डांसर का काम करती थी। बीते फरवरी माह में ही भभुआ आई थी। दोनों ही वहां किराए के मकान में रहते थे। सोमवार को अपने बैंड पार्टी के मालिक सलमान को यह कह कर निकले कि मेकअप का सामान खरीदने के लिए बनारस जा रहे हैं, लेकिन कुछ ही घंटों बाद सलमान को कॉल आया कि उनकी मौत रेलवे ट्रैक पर हो गई है। मोहनिया जीआरपी थानाध्यक्ष ने बताया कि भभुआ रोड स्टेशन से हमें मेमो प्राप्त हुआ था। कर्मियों के साथ हमलोग घटनास्थल पर पहुंचे तो दोनों का शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा था। आधार कार्ड के जरिए दोनों की पहचान हुई है।

सरकार ने 2030 तक कुष्ठ का सफाया करने का लक्ष्य किया है निर्धारित : एसीएमओ

- आठ से 17 अक्टूबर तक जिले में चलाया जायेगा कुष्ठ रोगी खोजी अभियान
- सुपरवाइजर, आशा एवं पुरुष कार्यकर्ता को किया जाएगा प्रशिक्षित

केटी न्यूज/बक्सर

राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में कुष्ठ रोगियों की खोज के लिए अभियान चलाया गया है । जिसको लेकर सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, स्वास्थ्य प्रबंधक, स्वास्थ्य उत्प्रेरक एवं पारा मेडिकल वर्कर को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान बताया गया कि जिले में आठ से 17 अक्टूबर तक सघन कुष्ठ रोगी खोज अभियान चलाना है। जिसको लेकर राज्य स्वास्थ्य समिति ने निर्देश सह गाइडलाइंस जारी किया है। जिसके माध्यम से खोजी अभियान को सफल बनाया जाना है। इस क्रम में सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी अपने स्तर से 26 से 28 अक्टूबर तक सुपरवाइजर, आशा एवं पुरुष कार्यकर्ता के लिए प्रशिक्षण आयोजित करेंगे। साथ ही, लोगों को जागरूक करने के लिए बैनर व पोस्टर आदि का प्रयोग किया जाए। इस क्रम में अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अनिल भट्ट ने बताया कि सरकार ने वर्ष 2030 तक कुष्ठ को पूरी तरह से खत्म करने का निर्णय लिया है। जिसके तहत जिले स्वास्थ्य समिति ने भी तैयारियां शुरू कर दी है । आगामी दिनों में खोजी अभियान के बाद निगरानी की जाएगी। जिसमें पिछले तीन वर्षों में जिन गांवों में कुष्ठ रोग के मामले सामने आए हैं, वहां आशा कार्यकर्ता द्वारा सक्रिय मामले का पता लगाने और नियमित निगरानी गतिविधि संचालित की जा रही है।

परिजनों और पड़ोसियों का भी होगा उपचार : जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ. शालिग्राम पांडेय ने बताया कि खोजी अभियान के दौरान न केवल नए मरीजों की खोज की जाएगी, बल्कि तीन साल पूर्व चिह्नित हुए लोगों के परिजनों और पड़ोसियों का भी उपचार किया जाएगा। ताकि, कोई भी व्यक्ति कुष्ठ रोग की चपेट में न आ सके। उन्होंने बताया कि रोगी को इसे छुपाना नहीं चाहिए। शरीर के किसी भी हिस्से में तम्बाई रंग का दाग हो और उस दाग में सूनापन हो तो वह कुष्ठ रोग हो सकता है। हाथ और पैर के नस का मोटा होना, दर्द होना एवं झुनझुन्नी होना भी कुष्ठ के प्रारंभिक लक्षण हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि कुष्ठ का इलाज प्रारंभिक अवस्था में होने से विकलांगता से बचा जा सकता है। उपचार के बाद कुष्ठ रोगी दूसरे व्यक्ति को संक्रमित नहीं करते हैं। कुष्ठ रोग में एमडीटी की दवा का पूरा खुराक खाना जरूरी होता है। हालांकि, लोगों में पूर्व की अपेक्षा थोड़ी जागरूकता बढ़ी तो है, लेकिन अभी कई मरीजों के मन में इसको लेकर दुविधाएं देखी जाती हैं।

समुदाय के हर व्यक्ति से कुष्ठ रोग की जानकारी देने की अपील : डॉ. शालिग्राम पांडेय ने बताया कि संदेहास्पद चर्म रोगों को आशा एवं मेल वालंटियर द्वारा सत्यापित किया जाता है। इसके बाद मेडिकल ऑफिसर द्वारा सत्यापन किया जाएगा। संदेहास्पद मरीज मिलने पर खोजी दल द्वारा रेफरल स्लीप देकर निकट के स्वास्थ्य केंद्र में कुष्ठ की पुष्टिकरण के लिए भेजा जाएगा। जहां चिकित्सा अधिकारी द्वारा कुष्ठ की पुष्टीकरण करने के बाद उसका तत्काल इलाज शुरू किया जा रहा। उन्होंने समुदाय के हर व्यक्ति से कुष्ठ रोग की जानकारी देने की अपील की है। जिससे जिले को कुष्ठ मुक्त बनाया जा सके । उन्होंने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि कुष्ठ मरीजों का इलाज संभव है। इसके लिए एमडीटी की टैबलेट ली जाती है। पीबी प्रकार के रोगियों को 6 महीने और एमबी प्रकार के रोगियों को 12 महीने नियमित दवा सेवन की सलाह दी जाती है।

ये हैं कुष्ठ रोग के लक्षण

कुष्ठ रोग के लक्षण में चमड़ी पर चमड़ी के रंग से फीके या बदरंग दाग धब्बे, जिसमें सुन्नपन्न हो यानी जिन दागों में खुजली, जलन या चुभन न हो। चेहरे पर लाल, तामिया, तेलिया चमक हो। तंत्रिकाओं में सूजन, मोटापा, हाथ-पैरों में सुन्नपन्न और सूखापन हो। यह भी कुष्ठ की पहचान है।

सरकार जरा इनकी भी सुनें... पुल-पुलिया के अभाव में लोगों जीना हो गया है दुश्वार

नया भोजपुर में पुलिया के अभाव में मां काली भक्तों को होती है परेशानी

- गांव के लोग काव नदी पर पुल बनाने की लंबे समय से कर रहे मांग

केटी न्यूज/डुमरांव

सिमेंट के पोल के सहारे नदी पार करता ग्रामीण

हम भले ही आधुनिक युग में होने का दंभ भर रहे हैं। गांव-गांव में मोबाइल फोन और बिजली आने पर खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं। लेकिन इनके सबके बीच एक पहलु यह भी है कि कई गांव के लोग आज भी आवागमन के लिए उपयुक्त सड़क और पुल-पु लिया के अभाव में खुद को विकास से कोसों दूर पा रहे हैं। यहां हम बात कर रहे हैं डुमरांव अनुमंडल से जुड़े दो ऐसे गांवों की जहां पुल-पुलिया के अभाव में ग्रामीणों का आवागमन पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। अधिकारी से लेकर जनप्रतिनिधियों तक ने इससे अपना मुंह मोड़ लिया है।

नवरात्रि के पावन दिनों की शुरूआत होने के साथ ही शक्ति स्वरूपा का दर्शन कर उनसे सुख-शांति की कामना करनेवाले भक्तों का मंदिरों में तांता लग जाता है। कमोबेश हर कोई चाहता है कि इन पावन दिनों के दौरान माता का विशेष दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हो, लेकिन डुमरांव से सटे नया भोजपुर में मां काली का मंदिर होने के बाद भी हजारों भक्त माता का दिव्य दर्शन पाने से अछूते है। भक्तों की श्रद्धा व विश्वास की राह में काव नदी रोड़ा बन गया है। दरअसल नदी पर पुलिया नहीं होने के कारण हजारों श्रद्धालु मंदिर तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। कुछ लोग जान जोखिम में डालकर सीमेंट के पोल के सहारे नदी पार करते हैं हालांकि इसमें जान का खतरा है। किसी को भी मंदिर जाने के लिए काव नदी से होकर ही जाना है। इससे परेशान श्रद्धालु चाहते हैं कि मंदिर तक आने जाने के लिए नदी पर पुलिया का निर्माण हो। लेकिन पुलिया का निर्माण होगा कैसे यह जानकारी किसी को नहीं।

संतोष पाठक के प्रयास से माता के मंदिर को मिला नया रूप : मां काली के जीर्ण शीर्ण मंदिर को हाल ही में उसी गांव के निवासी व कोलकाता वार्ड संख्या 45 के काउंसलर संतोष पाठक द्वारा लाखों रुपए खर्च कर बिल्कुल नया रूप दे दिया गया है। गांव के उपेंद्र पांडे कहते हैं कि पहले मुखिया द्वारा पंचायत स्तर से काव नदी पर पुलिया निर्माण का प्रस्ताव लाया गया था। अब यह गांव नगर निकाय में शामिल हो जाने के बाद पंचायत स्तर की योजनाओं पर भी ब्रेक लग गया है। ग्रामीण जिला प्रशासन के अलावा स्थानीय विधायक व सांसद से उम्मीद रखते हैं कि जनहित को ध्यान में रख नदी पर पुलिया का निर्माण होगा। सोमवार को नवरात्रि के पहले दिन बुजुर्ग महिलाएं चाह कर भी मां के दरबार में मत्था टेक नहीं पाई। उन्हें दूर से ही मां काली को नमन कर संतोष करना पड़ा।

सिकरौल-बेलाव पहुंच पथ पर नाला क्षतिग्रस्त आवागमन में ग्रामीणों की हो रही परेशानी

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय प्रखंड के सिकरौल लख से बेलांव गांव की पहुंच पथ पर लगा नाला सोमवार की सुबह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके कारण नाला पर बनी पुलिया भी ध्वस्त हो गई। इसके कारण गांव के लोगों को आवागमन में परेशानी होने लगी है। देखा जाए तो पहुंच पथ पर टूटे जगह से लोग जान जोखिम में डालकर पैदल एवं साइकिल से गुजर रहे हैं। जबकि टू व्हीलर एवं फोर व्हीलर से आवागमन पूर्णतः बंद हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार उक्त स्थान पर एक तो सड़क जर्जर हो गई थी। उपर से अत्यधिक पानी पहुंचने से नाला क्षतिग्रस्त हो गया। नाला क्षतिग्रस्त होने के साथ ही उक्त स्थान की आधी से अधिक सड़क पानी अपने साथ बहा ले गया। बेलांव गांव के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण विभाग पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि सिकरौल से उनके गांव तक पहुंच पथ 30 वर्ष पूर्व बनाया गया था। तब से लेकर आज तक विभागीय उदासीनता के कारण इसकी मरम्मत नहीं हुई। नतीजा सामने है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से नाला की जगह पुल बनाने के साथ सड़क मरम्मत कराने की मांग की है। इधर सिकरौल पंचायत के सरपंच पवन कुमार ने बताया कि सिकरौल-बेलाव पहुंच पथ पर सिकरौल लख के पास नाला के साथ 25 फीट से अधिक सड़क टूट गया है। इससे गांव के लोगों का आवागमन प्रभावित है।

देवी मंदिरों में दोपहर तक लगी रही श्रद्धालुओं की भीड़

केटी न्यूज/बक्सर (डुमरांव)

मां काली मंदिर में दर्शन पूजन करते श्रद्धालु, पंडाल में पूजा करते समिति सदस्य

शारदीय नवरात्र के पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप शैल पुत्री की पूजा अर्चना की गई। सभी देवी मंदिरों तथा दुर्गापूजा पंडालों में विधि विधान से कलश स्थापित कर दुर्गा सप्तशती के पाठ की शुरूआत भी हो गई है। मंदिरों तथा पूजा पंडालों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों से प्रसारित हो रहे मंत्रोच्चार व दुर्गा सप्तशती के श्लोकों से माहौल भक्तिमय बन गया है। पूरे दिन मां दुर्गा के जयकारे की गूंज सुनाई पड़ रही थी। जिले के सभी देवी मंदिरों में नवरात्र के पहले दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मत्था टेका है। मंदिरों व पूजा पंडालों के अलावे लाखों की संख्या में श्रद्धालु भक्त अपने घरों मे कलश स्थापित कर पाठ कर रहे है। नवरात्र के कारण सभी जगहों पर देवी भक्ति से जुड़े गीत सुनाई पड़ रहे है। सुबह से दोपहर तक देवी मंदिरों में भींड़ उमड़ी रही। जानकारी के अनुसार डुमरांव के नगर पंचित मां काली आश्रम, नगर देवी मां डुमरेजनी देवी, रेलवे स्टेशन के पास स्थित पंच मंदिर, खिरौली के काली मंदिर, लाला टोली रोड स्थित राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर, कोपवां में नव स्थापित काली मंदिर, अमसारी काली मंदिर, नावानगर के शीतला माता मंदिर, सिमरी के चर्चित काल रात्रि मंदिर समेत अन्य देवी मंदिरों में हजारों की संख्या में मां देवी के भक्त नवरात्र के पहले दिन दर्शन व पूजन किए। नवरात्र शुरू होते ही लोगों का उल्लास भी चरम पर पहुंच गया है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा नौ दिनों का उपवास अनुष्ठान भी शुरू किया गया है।

पंडालों व मूर्तियों के निर्माण में आई तेजी : नवरात्र शुरू होते ही पूजा समितियों द्वारा चार दिवसीय दशहरा मेला की तैयारी भी तेज कर दी गई है।

चेकिंग के दौरान शराब की बड़ी खेप बरामद

रोहतास । जिले डेहरी नगर थाना क्षेत्र के फोरलेन जीटी रोड पर सोमवार सुबह एक बड़े कंटेनर ट्रक से अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप बरामद की गई। बड़ी बात यह है कि पुलिस को झांसा देने के लिए ट्रक में आगे से फर्निचर लोड किया गया था, और फिर उसकी पैकिंग की गई थी। देखने से साफ लग रहा था कि ट्रक से फर्निचर ट्रांसपोर्ट करके ले जा रहे हैं। लेकिन पुलिस की कार्रवाई से उनकी पोल खुल गई। बताते हैं कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि हरियाणा से शराब की भारी खेप लाई जा रही है।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को लिया जाएगा गोद

- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में भौतिक व शैक्षिक सुधारात्मक के लिए डीएम का फरमान

केटी न्यूज/बक्सर

बैठक की अध्यक्षता करते डीएम व मौजूद अधिकारी

जिला पदाधिकारी, बक्सर अमन समीर की अध्यक्षता में समाहरणालय परिसर स्थित सभागार में सोमवार को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के संचालन से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई। जिलाधिकारी ने एक महीने का समय देते हुए सभी संबंधित प्रधानाध्यापक एवं वार्डेन को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में भौतिक एवं शैक्षिक सुधारात्मक कार्य करने का निर्देश दिया। सभी संबंधित बीडीओ एवं शिक्षा विभाग के वरीय पदाधिकारियों को विद्यालयों को गोद लेते हुए निरंतर निरीक्षण करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी पदाधिकारियों को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में शैक्षिक सुधार हेतु अपना समय देने का निर्देश दिया। प्रखंड के वरीय पदाधिकारी को संबंधित प्रखंड के हाईस्कूलो की भौतिक एवं शैक्षणिक सुधार हेतु निरंतर निरीक्षण करने का निर्देश दिया। साथ ही अभियान विश्वामित्र के तहत जुड़े हुए बुद्धिजीवी वर्गों से सहयोग लेने का नोडल पदाधिकारी अभियान विश्वामित्र को निर्देश दिया। साथ ही, संबंधित प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का भौतिक निरीक्षण करते हुए उनकी आवश्यकताओं के संबंध में प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया। साथ ही, विद्यालयों में सीसीटीवी कैमरा की व्यवस्था आईपी बेस्ड सहित करने को कहा।

जिलाधिकारी अमन समीर ने सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के प्रधानाध्यापक को पुस्तकालय, साथ ही बालिकाओं के लिए दैनिक अखबार एवं प्रतियोगिता तैयारियों से संबंधित पुस्तकें इत्यादि व्यवस्था करने को कहा। विभागीय गाइडलाइन के अनुसार कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में सभी मानकों के अनुरूप व्यवस्था करने एवं 15 अक्टूबर तक सभी बालिकाओं के लिए पोशाक उपलब्ध कराने का निर्देश दिया तथा इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी बक्सर को प्रतिवेदन देना सुनिश्चित करने को कहा गया। स्किल डेवलपमेंट के तहत उप विकास आयुक्त महोदय को नोडल नामित करते हुए सॉफ्ट स्किल डेवलपमेंट की संभावनाओं पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया। शौचालय, भवन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के संबंध में जांच कर एक सप्ताह के अंदर प्रतिवेदन देने का निर्देश शिक्षा पदाधिकारी बक्सर को दिया गया। साथ ही सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के निकट पहुंच पथ हो, इसे सुनिश्चित किया जाए एवं परिसर में वृक्षारोपण (फलदार वृक्ष) करने हेतु निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त बक्सर, जिला शिक्षा पदाधिकारी बक्सर एवं अन्य संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारी के साथ कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं वार्डन उपस्थित थे।

एक नजर

डुमरांव में एक राजस्व कर्मचारी के भरोसे चल रहा है सभी 17 हल्का

डुमरांव। डुमरांव अंचल में शहर के अलावे कुल 17 हल्का निर्धारित है। सभी हल्का का प्रभार अंचल के एकमात्र राजस्व कर्मचारी विश्वनाथ प्रसाद के पास है। सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि निर्धारित समय में पब्लिक का काम करने के सरकारी निर्देश का अनुपालन एकमात्र कर्मचारी के लिए कितनी बड़ी चुनौती है। प्रत्येक हल्का में काम करने के लिए प्राइवेट व्यक्ति को रखना मजबूरी बन गई है। बताया जाता है कि हर समय कोई न कोई राजस्व कर्मचारी सेवानिवृत्त होते गया। सेवानिवृत्त कर्मचारी के जगह पर दूसरा कोई आया नहीं। जो बचा वह काम तथा जिम्मेदारी का बोझ के तले दब गया। स्थानीय अंचल कार्यालय से एक वर्ष पूर्व कृष्ण मुरारी ओझा के सेवानिवृत्ति के बाद अंचल निरीक्षक का प्रभार ज्योति मोहन ओझा को मिला। पिछले माह 31 अगस्त को ज्योति मोहन ओझा भी सेवानिवृत्त हो गए। अब अंचल के एकमात्र राजस्व कर्मचारी विश्वनाथ प्रसाद के जिम्मे सभी राजस्व मौजा का प्रभार आ गया है। इसमें शहर के अलावे सुदूर देहात क्षेत्र तक शामिल है। स्थिति की गंभीरता को देख प्रत्येक मौजा में गैर सरकारी कर्मी पब्लिक के पैसे के दम पर अंचल कार्यालय के कार्यों को बखूबी निर्वहन कर रहे हैं। हालांकि कई जगहों पर जमीनी विवाद बढ़ने का एक वजह इन्हीं गैर सरकारी कर्मियों के करतूत को माना जाता है। अंचल कार्यालय में जरूरत के अनुरूप राजस्व कर्मचारी प्राप्त होने पर ही इनकी सक्रियता कम हो सकती है। फिलहाल यह गैर सरकारी कर्मी अंचल कार्यालय के लिए समय का जरूरत बन चुके है। स्थानीय अंचल में राजस्थान कर्मचारी की कमी के कारण कई महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो रहा है।

समिति फिर से उठाएगी बलिया डिहरी रेल पथ निर्माण की मांग

डुमरांव। बलिया से डिहरी तक नया रेल पथ निर्माण की मांग एक बार फिर से जोरदार ढंग से उठाया जाएगा। सुस्त पड़े इस अभियान को रफ्तार देने की तैयारी में है बलिया डिहरी रेल पथ निर्माण संघर्ष समिति। समिति के संरक्षक डॉक्टर बालेश्वर सिंह ने बलिया आरा रेल पथ निर्माण को स्वीकृति का स्वागत करते हुए कहा है कि बलिया डिहरी रेल पथ का निर्माण वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत बन गई है। उन्होंने कहा कि इस रेल पथ के निर्माण से व्यवसायिक धार्मिक पौराणिक महत्व बढ़ेगा। झारखंड का बिहार एवं उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल से बहुत गहरा रिश्ता है। स्थानीय हजारों लोगों को नियमित रूप से झारखंड की यात्रा करनी होती है। इस रेल पथ का निर्माण वैसे लोगों को सुगमता प्रदान करेगी। इस तरह रेलवे के राजस्व में भी भारी मुनाफा होगा। उल्लेखनीय है कि इस मांग को पिछले दिनों सांसद सह केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे द्वारा समर्थन करते हुए इस मांग को रेल मंत्री के समक्ष रखा गया था। समिति के महासचिव उमेश गुप्ता का कहना है कि इस प्रेस रेल पथ के निर्माण से चार रेल लाइन आपस में जुड़ेगी। बलिया के अलावे डुमरांव बिक्रमगंज तथा डेहरी स्टेशन जुड़ेगा। कम खर्च और कम समय में यात्रा सुगम होगा। माल ढुलाई कार्य भी बेहतर हो सकेगा। रेलवे को वर्षों पुराने बलिया डेहरी रेल पथ निर्माण के लिए याद दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा है कि प्रस्तावित नए रेल पथ के निर्माण से दोनों प्रदेश के सुदूर ग्रामीण इलाके के विकास के साथ ही लाखों लोगों को आवागमन का सुगम मार्ग तथा पर्यटन का बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा है कि इस रेल पथ के निर्माण होने से उत्तर प्रदेश बिहार तथा झारखंड प्रदेश की आपस की दूरी काफी कम हो जाएगी। साथ ही रेलवे को भी भारी राजस्व की प्राप्ति होगी। समिति का कहना है कि इस नए रेल पथ के निर्माण से औद्योगिक शहर रांची धनबाद बोकारो टाटा डालटेनगंज लातेहार राउरकेला सिंदरी आदि की दूरी घट जाएगी। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथी दियारा क्षेत्र का विकास होगा। साथ ही बड़े औद्योगिक शहरों का संपर्क आसान होने से बेरोजगारी दूर होगी। राजधानी दिल्ली कानपुर धार्मिक शहर प्रयाग वाराणसी से जुड़ जाएगा।

अनहोनी : ट्रेन के पहिए से टकरा गिट्टी उछली, क्रासिंग के पास खड़ा मजदूर जख्मी

प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर अवस्था में किया गया रेफर

डुमरांव। दानापुर डीडीयू रेलखंड के टुड़ीगंज स्टेशन के पास सोमवार को हुई एक अजीब दुर्घटना में एक मजदूर गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। आस पास के लोगों के सहयोग से डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में उसका प्राथमिक इलाज करवाया गया। लेकिन उसकी बिगड़ती हालत को देख डा क्टरों ने उसे पटना रेफर कर दिया है। जख्मी शिवयोगी प्रसाद उम्र 52 वर्ष टुड़ीगंज का ही रहने वाला है। जानकारी के अनुसार सोमवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे वह टुड़ीगंज के एक दुगार्पूजा समिति के सदस्यों का सामान लाने बाजार जा रहा था। टुड़ीगंज स्टेशन के करीब स्थित पश्चिमी क्रासिंग के पास खड़ा हो वह क्रासिंग खुलने का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान एक थ्रु टेज्न वहा से गुजरने लगी। अचानक ट्रेन के पहिए से टकरा एक गिट्टी उड़कर शिवयोगी के पैर में जा लगी। जिससे उसके पैर में गहरा जख्म हो गया तथा खून की धारा बहने लगी। आस पास में मौजूद लोगों द्वारा उसे उठाकर तत्काल डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। जहा प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे रेफर कर दिया गया है। रेल यात्री कल्याण समिति के अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह तथा सामाजिक कार्यकर्ता संटू मित्रा ने उसके इलाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा अपने प्रयास से एक निजी एंबुलेंस के सहारे उसे बेहतर इलाज के लिए पटना भेजवाया उसका इलाज करने वाले अनुमंडलीय अस्पताल के डाक्टर सुमित सौरभ ने बताया कि वह खतरे से बाहर है। चोट अधिक लगने के कारण उसे बेहतर इलाज की जरूरत थी। जिस कारण उसे रेफर किया गया है।

शहर छोटी खबरें

महिला की मौत से आक्रोशित परिजनों ने किया हंगामा

रसड़ा। नगर के कोटवारी मोढ के समीप स्थित एक नर्सिंग होम से आपरेशन के बाद रेफर किये गए महिला की वाराणसी के एक निजी अस्पताल में हुई मौत से आक्रोशित परिजनों ने रविवार को नर्सिंग होम पर पहुंच कर जम कर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अस्पताल में ताला बंद कर शव को कब्जे में लेकर छानबीन में जुट गई है। वहीं पीड़ित पक्ष के द्वारा पुलिस को लिखित तहरीर पर मामला पंजीकृत कर लिया है। बताया जाता है कि नगरा थाना क्षेत्र के ताड़ी बड़ा गांव निवासी रामेश्वर प्रजापति की पत्नी शकुंतला देवी (25) की पेट में दर्द व पेशाब के रास्ते में सूजन होने उक्त नर्सिंग होम में शुक्रवार को भर्ती कराया गया। जहां अगले दिन शनिवार को वहां के चिकित्सक द्वारा महिला के बच्चे दानी का ऑपरेशन कर दिया गया।इस दौरान हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उसे वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। परिजन महिला को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर शनिवार की रात में उसकी मौत हो गई। उसके परिजन महिला के लाश को लेकर रविवार की देर शाम रसड़ा स्थित नर्सिंग होम पर आए और हंगामा करने लगे। जिससे वहां भारी भीड़ जमा हो गई। परिजनों का आरोप है कि नर्सिंग होम के डॉक्टर की घोर लापरवाही से उसकी मौत हो गई है। घटना के बाद उक्त नर्सिंग होम के बाहर किये जा रहे हंगामा को देखते हुए। पुलिस ने नर्सिंग होम में तालाबंदी कर वहां सुरक्षा की दृष्टि में पुलिस की तैनाती कर दी है।

ग्रामीणों के सहयोग से रास्ते एवं नालियों की हुई साफ-सफाई

बक्सर। सात निश्चय-2 अंतर्गत स्वच्छ गांव-सुंदर गांव के संकल्पित लक्ष्य को ससमय पूर्ण करने हेतु ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के क्रियान्वयन के गति पर बल प्रदान करने, सामुदायिक व्यवहार परिवर्तन तथा गाँव की सौदर्यात्मक स्थिति के स्थायित्व हेतु हमार स्वच्छ-संदुर गांव अभियान संचालित किये जाने का निर्णय लिया गया है। यह अभियान 10 सितंबर से प्रारम्भ होकर 31 अक्टूबर तक संचालित किया जा रहा है। स्वच्छता ही सेवा अंतर्गत दिनांक 26 सितम्बर 2022 को आयोजित किये गये जन-जागरूकता संबंधित गतिविधियों की विवरणी :- इटाढी प्रखण्ड के कुकुढा पंचायत में स्वच्छता पर्यवेक्षक इसरार साह द्वारा ग्रामीणों के श्रमदान के सहयोग से पंचायत भवन के आस पास की सफाई की गई। वहीं, इटाढ़ी प्रखंड के अतरौना पंचायत में स्वच्छाग्राही धर्मेन्द्र पासवान के माध्यम से वार्ड सदस्य एवं अन्य ग्रामीणों के सहयोग से रास्ते एवं नालियों की साफ-सफाई की गई। कुकुढ़ा पंचायत इटाढी प्रखण्ड-स्वच्छता रैली के माध्यम से जन-जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह स्वच्छता रैली पंचायत भवन से कुकुढ़ा बाजार तक निकाला गया। कतिकनार केसठ पंचायत, केसठ प्रखंड-स्वच्छता पर्यवेक्षक प्रदीप कुमार द्वारा मुखिया जी के नेतृत्व में मुख्य नाली की साफ-सफाई कराया गया। बसावकलां पंचायत इटाढी प्रखण्ड-स्वच्छता पर्यवेक्षक रंजू कुमारी द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र पर बच्चों के साथ स्वच्छता एवं साफ-सफाई के महत्व पर कार्यक्रम किया गया। इस संबंध में हाथ-धुलाई के तरीके पर भी चर्चा की गई।

नरसी को विश्वास था कि उनके भरण-पोषण की व्यवस्था भगवान करेंगे

- 'कैकेयी मंथरा संवाद व दो वरदानों की कथा' सहित 'भक्त नरसी चरित्र भाग-2' का हुआ मंचन
- 21 दिवसीय विजयादशमी महोत्सव का नौवें दिन कथा सुनने जुटे श्रद्धालु

केटी न्यूज/बक्सर

श्री रामलीला समिति, बक्सर के तत्वावधान में रामलीला मैदान स्थित विशाल मंच पर चल रहे 21 दिवसीय विजयादशमी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव के नौवें दिन सोमवार को श्रीधाम वृंदावन से पधारी सुप्रसिद्ध रामलीला मंडल श्री श्यामा श्याम रासलीला संस्थान के स्वामी श्री नन्दकिशोर रासाचार्य जी के सफल निर्देशन में दिन में कृष्ण लीला के दौरान "भक्त नरसी चरित्र भाग-2"' नामक प्रसंग का मंचन किया गया। जिसमें दिखाया गया कि भक्त नरसी दिन-रात भजन कीर्तन में लगे रहने और भरण-पोषण के लिए कोई कार्य न करने के कारण नरसी जी के परिवार में उपवास की स्थिति आ जाती थी। इनकी पत्नी ने इनसे बहुत बार कुछ कार्य करने के लिए कहा। किन्तु इनका विश्वास था कि इनके भरण-पोषण की सारी व्यवस्था भगवान स्वयं करेंगे। क्योंकि इनकी पुत्री के विवाह की सम्पूर्ण व्यवस्था भी भगवान श्री कृष्ण ने स्वयं की। इसी प्रकार इनके पुत्र का विवाह भी उन्हीं की कृपा से संपन्न हुई।इसलिए नरसी को अपने भगवान पर पूरा विश्वास होता है।

घी लाने की जगह कीर्तन में तल्लीन हो गए : एक बार नरसी मेहता की जाति के लोगों ने उनसे कहा कि तुम अपने पिता का श्राद्ध करके सबको भोजन कराओ। नरसी जी ने भगवान श्री कृष्ण का स्मरण किया और देखते ही देखते सारी व्यवस्था हो गई। श्राद्ध के दिन कुछ घी कम पड़ गया और नरसी जी बर्तन लेकर बाजार से घी लाने के लिए गए। रास्ते में एक संत मंडली को इन्होंने भगवान नाम का संकीर्तन करते हुए देखा। नरसी जी भी उसमें शामिल हो गए। कीर्तन में यह इतना तल्लीन हो गए कि इन्हें घी ले जाने की सुध ही न रही। घर पर इनकी पत्नी बड़ी व्यग्रता से इनकी प्रतीक्षा कर रही थी। भक्त वत्सल भगवान श्री कृष्ण ने नरसी का वेश बनाया और घी लेकर उनके घर पहुंचे। ब्राह्मण भोज का कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो गया। कीर्तन समाप्त होने पर काफी रात्रि बीत चुकी थी। नरसी जी सकुचाते हुए घी लेकर घर पहुंचे और पत्नी से विलम्ब के लिए क्षमा मांगने लगे। इनकी पत्नी ने कहा, ह्यह्यस्वामी! इसमें क्षमा मांगने की कौन-सी बात है? आप ही ने तो इसके पूर्व घी लाकर ब्राह्मणों को भोजन कराया है। नरसी जी ने कहा, भाग्यवान! तुम धन्य हो। वह मैं नहीं था, भगवान श्री कृष्ण थे। तुमने प्रभु का साक्षात दर्शन किया है। मैं तो साधु-मंडली में कीर्तन कर रहा था। कीर्तन बंद हो जाने पर घी लाने की याद आई और इसे लेकर आया हूं। यह सुन कर नरसी जी की पत्नी आश्चर्य में डूब गईं। कुछ वर्ष बाद इनकी पत्नी और पुत्र का देहांत हो जाता है, और ये अपना सम्पूर्ण समय भगवान के भजन में बिताने लगे।

मंथरा की बातों में कोप भवन में चली जाती हैं कैकेयी : वहीं देर रात्रि मंचित रामलीला के दौरान कैकेयी मंथरा संवाद व दो वरदानों की कथा नामक प्रसंग का मंचन किया गया। जिसमें दिखाया गया कि राजा दशरथ सभी सभासदों के समक्ष श्रीराम को युवराज पद देने का प्रस्ताव रखते हैं और सभी उस पर अपनी सहमति देते हैं। धूमधाम से राम के राजतिलक की तैयारियां चलती है। इसी बीच दासी मंथरा जाकर रानी कैकेयी के कान भरती है। तब रानी अपनी दासी मंथरा की बातों में आकर आभूषण आदि त्यागकर कोप भवन में चली जाती हैं। यह समाचार पाकर राजा दशरथ वहां जाते हैं और रानी से इसका कारण पूछते हैं। रानी कैकेयी तब राजा को पूर्व में दिए गए दो वर मांगने का वचन याद दिलाती हैं। राम की शपथ दिलाकर राजा से दो वर 'भरत को राजगद्दी' और 'राम को वनवास' मांगती हैं। यह सुनकर राजा हतप्रभ रह जाते हैं और दुखी मन से रानी के सामने अनुनय विनय करते हैं लेकिन रानी की हठ के आगे विवश हो जाते हैं। अंततः वह असहनीय कष्ट के चलते मूर्छित हो जाते हैं। जब यह समाचार राम को मिलता है तो वह अपने पिता की आज्ञा से सहर्ष ही वन जाने को तैयार हो जाते हैं। वहीं सीताजी और लक्ष्मण भी उनके साथ वन जाने की हठ करते हैं। वल्कल वस्त्र धारणकर राम लक्ष्मण और सीता अपने पिता से अनुमति लेने जाते हैं और पुत्र वियोग में राजा दशरथ हृदय विदीर्ण करने वाला विलाप करते हैं। यह देख दर्शक भाव विभोर हो जाते है। पूरा पाण्डाल जय श्रीराम के उद्घोष से गुंज उठता हैं। इस दौरान पुरा रामलीला परिसर श्रद्धालुओं से खचाखच भरा हुआ था।

पत्नी की हत्याकर घंटों तक शव के पास बैठा रहा सनकी पति

- पारिवारिक विवाद में गुस्साए पति ने गमछा से पत्नी का घोंट डाला गला
- शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद मामले की छानबीन में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/आरा

शहर के नवादा थाना क्षेत्र के अनाइठ मोहल्ले में रविवार की रात सनकी पति ने पत्नी की हत्या कर दी। उसने कमरे में सो रही पत्नी का गमछा से गला घोंट डाला। हत्या करने के बाद वह शव के पास बैठा रहा। सोमवार की सुबह पिता की सूचना पर नवादा पुलिस पहुंची और उसे गिरफ्तार कर ले गयी। उसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया। मृत महिला अनाइठ मोहल्ला निवासी अनिल चौधरी की 28 वर्षीय अनु खातून उर्फ अनु चौधरी थी। पति-पत्नी के आपसी विवाद में हत्या किये जाने की बात कही जा रही है। दोनों ने दस साल लव मैरिज की थी और करीब डेढ़ माह से विवाद चल रहा था। रविवार की शाम को महिला थाना पुलिस की पहल पर अनु अपने ससुराल अनाइठ आयी थी। मृत अनु के ससुर शिवशंकर चौधरी ने बताया कि पति-पत्नी के बीच डेढ़ महीनों से विवाद चल आ रहा है। कहा कि अनिल की पत्नी टिकटॉक पर वीडियो बनाती रथी और इधर-उधर भेजती थी। उसे लेकर दोनों के बीच डेढ़ माह पूर्व में झगड़ा हुआ था। उसके बाद वह अपने मायके आयर चली गई थी। वहां भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। तब अनिल अपने गांव आ गया था। रविवार की रात दोनों कमरे में सो रहे थे। तभी उसने गला से गमछा से गला घोंट अपनी पत्नी को मार डाला। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और अपने स्तर से छानबीन की। उन्होंने अनिल चौधरी और उसके परिजनों से भी पूछताछ की। बताया जाता है कि करीब 10 साल पहले दोनों ने शादी की थी। कुछ साल तक दोनों कहीं बाहर रहते थे। बाद में अनिल उसे लेकर घर आया था। तब से दोनों यहीं रहते थे। उन्होंने बताया कि अनिल की पत्नी की यह दूसरी शादी थी।

मकान की छत पर अपने कमरे में सो रहे थे दोनों : शिवशंकर चौधरी ने बताया कि रविवार की रात अनिल और उसकी पत्नी मकान की छत पर अपने कमरे में सो रहे थे। घर के अन्य सदस्य नीचे वाले कमरे में थे। सोमवार की सुबह अनिल की मां घर का झाड़ू लगाने के दौरान छत पर गयी, तो अनिल के कमरे का दरवाजा बंद था। आवाज देने पर भी दरवाजा नहीं खुला। इसकी जानकारी मिलने पर वह भी गये और आवाज दी। लेकिन दरवाजा नहीं खुला। काफी प्रयास के बाद कमरे का दरवाजा खुला, तो देखा कि अनिल पत्नी के शव के पास बैठा है। इस पर उन्होंने पूछा कि यह क्या कर दिया। तब अनिल ने कहा कि उसने पत्नी को मार डाला है। अब वह जेल जायेगा। उसके बाद उन्होंने महिला थाने को फोन किया। लेकिन बात नहीं हुई।?उसके बाद नवादा थाने को घटना की जानकारी दी।

पुलिस काउंसलिंग कर दोनों को भेजा था घर : जानकारी के अनुसार दोनों के बीच करीब डेढ़ माह से आपसी विवाद चल रहा था। उसे लेकर अनिल की पत्नी के द्वारा वीडियो बना कर भेजा जा रहा था। महिला थाना में भी वीडियो भेजा गया था और अनिल के खिलाफ शिकायत की गयी थी। उस मामले में महिला थाना द्वारा रविवार को दोनों को बुलाया गया था। उस पर सभी दोपहर बाद दो बजे महिला थाने गये थे। वहां लिखा-पढ़ी हुई और महिला थाने द्वारा समझा कर घर भेज दिया गया। कहा गया कि आप ससुर हैं। दोनों को समझाकर रखिये। महिला को एक और मौका दीजिए। उसके बाद वह अनिल और उसकी पत्नी को लेकर घर पहुंचे थे। लेकिन रात में ही यह घटना हो गयी। उन्होंने कहा कि अनिल मानसिक रूप से परेशान हो गया था। महिला थानाध्यक्ष द्वारा भी कोईलवर भेजने की बात कही थी। थाने से लौटने के बाद वह अधिक डिस्टर्ब हो गया था। उसी कारण उसने पत्नी की हत्या कर दी।

एक नजर

जनपद मे पांच से 16 वर्ष तक के बच्चों को लग रहा है डिप्थीरिया का टीका

बलिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयन्त कुमार ने बताया कि जनपद में सोमवार से किसी भी कारणवश छूटे हुए पांच वर्ष से 16 वर्ष तक के बच्चों का नियमित टीकाकरण किया जा रहा है। इस संबंध में शासन की तरफ से पत्र जारी किया गया है। पत्र में उल्लेख है कि प्रदेश के आठ जिलों में डिप्थीरिया और मीजल्स रूबेला के केस निकले हैं। इसलिए यह अभियान संवेदनशील जिलों में चल रहा है' नियमित टीकाकरण सत्र पहले की तरह बुधवार व शनिवार को आयोजित होंगे। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की है कि विशेष अभियान का लाभ उठाकर अपने बच्चों का टीकाकरण अवश्य कराएं। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. वीरेंद्र कुमार ने बताया कि नियमित टीकाकरण विशेष अभियान के तहत जिले में सभी सरकारी विद्यालय स्तर पर छूटे हुए बच्चों में डीपीटी पांच से सात वर्ष तक के बच्चों को, टीडी सात से 16 वर्ष के बच्चों को तथा जेई वैक्सीन छूटे हुए बच्चों को लगायी जा रही है। उन्होंने बताया की विशेष अभियान के दौरान कोविड टीकाकरण की गतिविधियों के कारण कोई नियमित टीकाकरण सत्र प्रभावित नहीं होगा।

जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता के लिए जिला व मंडल स्तरीय टीम का चयन

बलिया। यूपी खेल निदेशालय के तत्वावधान में यूपी कबड्डी एसोसिएशन के समन्वय से जूनियर बालक स्टेट कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन होगा। जिसका आयोजन 16 से 18 अक्टूबर तक स्पोर्ट्स स्टेडियम, शाहजहांपुर में किया जा रहा है। इस संबंध में बलिया उप क्रीड़ाधिकारी अजय प्रताप साहू ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जूनियर बालक कबड्डी हेतु आजमगढ़ मंडल की टीम का चयन किया जाना है। इस क्रम में जिलास्तरीय चयन व ट्रायल्स 29 सितम्बर को वीर लोरिक स्पोर्टस स्टेडियम में सुबह 9:00 बजे से एवं मंडलीय चयन 30 सितंबर को सुखदेव पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, आजमगढ़ में सुबह 09:00 बजे से किया जायेगा। उक्त चयन/ट्रायल्स में प्रतिभाग करने वाले जूनियर बालक कबड्डी खिलाड़ियों की आयु 31 दिसम्बर, 2022 को 20 वर्ष या उससे कम एवं वजन 70 किग्रा या उससे कम होनी चाहिए। आयु के संबंध में विद्यालय/संस्था के प्रधानाचार्य द्वारा प्राप्त जन्मतिथि, प्रमाण-पत्र एवं पात्रता प्रमाण-पत्र एवं आधार कार्ड प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। जिले के इच्छुक कबड्डी बालक वर्ग के खिलाड़ी इस ट्रायल में भाग ले सकते हैं।

अपनी मयार्दा से हटकर जीना पाप है : जीयर स्वामी

केटी न्यूज/बलिया

मयार्दा से अलग हटकर जीना पाप है। हर श्रेणी के व्यक्तियों की अलग-अलग धर्म और मयार्दायें है, जिनका सम्यक पालन करते हुए जीवन यापन करना ही धर्म है। व्यक्ति को कभी भी अपनी मयार्दा का उल्लंघन नहीं करना चाहिए। श्री जीयर स्वामी ने कहा कि धर्म का अपना अलग-अलग स्वरुप होता है। वह उसी दायरे में सुशोभित होता है। मानव धर्म, स्त्री धर्म, ब्राह्मण धर्म, ब्रह्मचारी धर्म, संन्यासी धर्म, कृषक और विद्यार्थी धर्म आदि के लिए पहली अर्हता सत्य बोलना है। साथ ही दया, सदाचार, परोपकार एवं सरलता की भावना के साथ जीवन यापन करना है। इन सभी धर्मो में मानव धर्म सर्वोच्च है, जिसमें परोपकार, दया, करुणा एवं समदर्शिता आदि के गुण समाहित हैं। श्री जीयर स्वामी ने सूतझसौनक संवाद में श्रीमद् भागवत महापुराण के मंगलाचरण के द्वितीय श्लोक की चर्चा करते हुए कहा कि भगवान समदर्शी हैं। जो जैसा है, उससे वैसा ही वर्ताव करना चाहिए। समदर्शिता के उदाहरण स्वरुप गृहस्थ जीवन में पति-पत्नी, पुत्र-पुत्री, भाई बहन, सेवक-स्वामी से यथोचित व्यवहार ही समदर्शिता है। सिद्ध और साधक की चर्चा करते हुए स्वामी जी ने कहा कि सिद्ध साधन के भटकाव से मुक्त रहता है। जबकि साधक में भटकाव संभव है। जब तक साधक को सिद्धि की प्राप्ति नहीं हो जाती, तब तक उसको अपनी साधना पर विश्वास नहीं होता। उसके मन में अनेक विकल्प उठते हैं। उसमें अपने पथ से विचलन की संभावना भी होती है। सूत जी महराज सिर्फ साधक नहीं सिद्ध भी हैं। इसीलिए धन, बल, आयु एवं कुल की दृष्टि से बड़ा न होने पर भी सूत जी को ब्यास गद्दी पर बैठाया गया।

भारत सबसे पुरानी सभ्यता का एक जाना-माना देश : राज्यसभा सांसद

केटी न्यूज/बलिया

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते नेता

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर कासिम बाजार स्थित गुरुद्वारा में सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत विविधता में एकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद नीरज शेखर ने उपस्थित जनता को कहा कि विश्व में भारत सबसे पुरानी सभ्यता का एक जाना-माना देश है। जहां वर्षों से कई प्रजातीय समूह एक साथ रहते हैं। भारत विविध सभ्यताओं का देश है। जहां लोग अपने धर्म और इच्छा के अनुसार लगभग 1650 भाषाएं और बोलियों का इस्तेमाल करते हैं। संस्कृति, परंपरा, धर्म, और भाषा से अलग होने के बावजूद भी लोग यहां पर एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। साथ ही, भाईचारे के ढ़ेर सारी भावनाओं के साथ एक साथ रहते हैं। लोग पूरे भारत की धरती पर यहां-वहां रहते तथा भाईचारे की एक भावना के द्वारा जुड़े होते हैं। अपने राष्ट्र का एक महान चरित्र है ह्लविविधता में एकताह्व जो इंसानियत के एक संबंध में सभी धर्मों के लोगों को बांध के रखता है। कार्यक्रम में प्रबंध कमेटी के द्वारा मंच अतिथियों का अंग वस्त्र व माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। जिसमें मुख्य रूप से क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सुनीता श्रीवास्तव, सुरेंद्र सिंह, संजीव कुमार डंपू, कृष्णा पांडेय, अभिषेक सोनी, नीतू पांडेय, संत कुमार मिठाई लाल, भोला सिंह बघेल, मानवेंद्र विक्रम सिंह, सोनी तिवारी, जावेद कमर खान, आलोक सिंह मोनू, सुनील सिंह, डम डम मिश्रा, संध्या पांडेश, धर्मवीर सिंह, राकेश सिंह, टिंकू, अभिमन्यु गुप्ता आदि प्रमुख रहे।

असमानता में अखंडता है और ह्लविविधता में एकताह्व : श्री सिंह ने कहा कि सिख समाज के लोगों का योगदान हमेशा देश की रक्षा व अखंडता के लिए जाना जाता है सिख समाज के लोगों के द्वारा देश की एकजुटता के लिए पर सराहनीय योगदान रहा। भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश साहू ने कहा कि असमानता में अखंडता है और ह्लविविधता में एकताह्व। भारत एक ऐसा देश है जो ह्लविविधता में एकताह्व की अवधारणा को अच्छे तरीके से साबित करता है। भारत एक अधिक जनसंख्या वाला देश है तथा पूरे विश्व में प्रसिद्ध है क्योंकि यहाँ ह्लविविधता में एकताह्व का चरित्र देखा जाता है। ह्लविविधता में एकताह्व भारत की शक्ति और मजबूती है जो आज एक महत्वपूर्ण गुण के रुप में भारत की पहचान करता है।

विखंडन के बिना विविधता : कार्यक्रम संयोजक भाजपा जिला मंत्री अरुण सिंह बंटू ने कहा कि एकता ही विविधता है यह एक ऐसा शब्द है। जिसका प्रयोग बहुत भिन्न लक्षणों, संस्कृति और और जीवन वाले लोगों के विभिन्न समूहों के बीच एकता और सद्भाव की अभिव्यक्ति के रूप में किया जाता है। इस अवधारणा को कोई अन्य शब्दों से भी जाना जाता है। जैसे विखंडन के बिना विविधता और एकरूपता के बिना एकता। सांसद नीरज शेखर ने सरदार रणजीत सिंह, गुरबचन सिंह, निरंजन सिंह, रतन सिंह, देवेंद्र सिंह, सरदार विश्वजीत सिंह, जितेंद्र सिंह ,सुरेंद्र सिंह को अंग वस्त्र से सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरुद्वारा कमेटी के प्रबंधक सरदार रणजीत सिंह राजू ने किया व संचालन सरदार श्रवण सिंह ने किया।